www.jagran.com दैनिक जागरण कानपुर 10/11/2022 कानपुर

तीन दिन में सुधारें खराब नलकूप : शाही

किसानों को मोटा अनाज उत्पादन व गंगा तट के जिलों में प्राकृतिक खेती की दी सीख

जागरण संवाददाता, कानपुर: प्रदेश भर में तीन दिन में खराब नलकूप सुधारें और तीन से चार दिन में ट्रांसफार्मर बदल दें, ताकि किसानों को सिंचाई में कोई दिक्कत न हो। प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी की 2030 तक पांच से आठ ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की सोच में किसान सहभागी बनें। धान खरीद तेज करें। किसान के पास धन नहीं होगा तो बाजार कैसे चलेंगे। किसान बड़े उत्पादक के साथ उपभोक्ता भी हैं। कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को ये बातें मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी में कहीं। बैठक में कानपुर व अलीगढ़ मंडल की पीठ थपथपाई गई।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन सभागार में मंडलीय रबी कृषि उत्पादकता गोष्ठी में आगरा, झांसी, अलीगढ़ व कानपुर मंडल के अधिकारियों ने मंत्री सूर्य प्रताप शाही को किसानों से जुड़ी समस्याएं बताईं। इस पर मंत्री ने कहा कि समस्याओं का निराकरण कराएंगे। इससे 17 जिलों के किसान लाभ पाएंगे। मक्का, बाजरा, उड़द, मूंग व धान आदि पांच फसलों की खरीद में कोताही न बरतें। प्रसंस्करण इकाइयां, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड योजना से प्रत्येक जिले में दो यूनिटें खड़ी करें। बुंदेलखंड समेत हर क्षेत्र के किसानों को मोटे अनाज के उत्पादन के लिए प्रेरित करें। अपर मुख्य सचिव कृषि डा. देवेश चतुर्वेदी ने कहा कि किसान सर्वोपरि हैं, उनकी हर बात सुनेंगे। कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने कहा कि किसानों की फसल तैयार हो और अच्छा मूल्य न दिला पाएं तो सब बेकार है। सीएसए कुलपति डीआर सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के हिसाब से सोचना होगा। विज्ञानी व किसान मिलकर बीज पर काम कर रहे हैं, जो अच्छी आय का माध्यम बनेगा। इस मौके पर पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया, मंडलायुक्त कानपुर डा. राजशेखर, अलीगढ़ गौरव दयाल, डीएम विशाख जी, सीडीओ सुधीर कुमार, डीपीआरओ कमल किशोर समेत 17 जिलों के अधिकारी व छह सौ प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

सीएसए में गोष्ठी का दीप जलाकर शुभारंभ करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही (बाएं से दूसरे)। साथ में अपर मुख्य सचिव कृषि डा.देवेश चतुर्वेदी ,कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, कुलपति डा.डीआर सिंह व मंडलायुक्त डा. राजशेखर (बाएं से दाएं) ● जागरण

- बुंदेलखंड में तालाब खोदाई के धीमे काम पर नाराज, कहा-किसान बड़े उत्पादक व उपभोक्ता भी
- मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी में कानपुर और अलीगढ़ मंडल के प्रयासों की सराहना की गई

चना उत्पादन में मैनपुरी अव्वल

कृषि मंत्री ने कहा कि कानपुर मंडल ने राज्य के बराबर उत्पादकता की है। इनके प्रयास से 40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादन पर हम पहुंच सकते हैं। चना उत्पादन में मैनपुरी प्रदेश में अव्वल है। जालौन व एटा मटर भी आगे हैं। उन्होंने जालौन, झांसी व ललितपुर में तालाब खोदाई की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई।

खरीद केंद्र बंद, डिप्टी आरएमओ के निलंबन की संस्तुति

जासं, कानपुर : नर्वल में धान और मक्का खरीद का कोई केंद्र नहीं खुला। सेमरझाल व सुभौली केंद्रों में खरीद ही नहीं हुई। सरसौल ब्लाक के पनौरी के किसान चंद्रभूषण सिंह ने जब ये बात कही तो कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह का पारा चढ़ गया। उन्होंने पूछा-डिप्टी आरएमओ कौन हैं, पता चला कि निहारिका सिंह हैं। आयुक्त बोले, डीएम साहब ठीक कराइए, कार्रवाई कीजिए। डिप्टी आरएमओ समेत सभी जिम्मेदारों को निलंबित कर दीजिए। इसके बाद देर शाम डीएम विशाख जी ने डिप्टी आरएमओ के निलंबन की संस्तुति कर शासन को पत्र भेज दिया। उन्होंने बताया कि पिछली बार से कम केंद्र खोले गए। एक से नौ नवंबर तक धान खरीद भी नहीं की गई। कानपुर देहात के किसान ने कहा कि धान बेचने जाते हैं तो ककवन वाले रसूलाबाद भेज देते हैं। इसपर सीडीओ देहात से कहा गया कि कहीं भी धान बेचने की व्यवस्था कराएं। मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी के बीच ही समीक्षा शुरू होने से अफसर पसीना-पसीना नजर आए। मंत्री के संबोधन के समय बिजली गुल हो गई। छह घंटे तक किसान भूखे बैठे रहे। किसानों ने घाटमपुर चीनी मिल फिर से शुरू कराने और पशुपालन पर सब्सिडी की मांग रखी। निदेशक उद्यान ने कहा, गांवों में प्रोसेसिंग यूनिट लगाने पर काम करेंगे।

से मिलने के बाद अस्पताल... 12

भाजपा में व्यक्ति नहीं संगठन टिकट देता है: राकेश 10

जन एक्सप्रेस

janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 30
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 10 नवम्बर, 2022

रबी उत्पादकता गोष्ठी में किसानों को किया जागरूक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में बुधवार को प्रदेश के चार मंडलों कानपुर, झांसी, आगरा एवं अलीगढ़ के किसानों के लिए रबी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही मौजूद रहे तथा अध्यक्षता कृषि उत्पादन आयुक्त उत्तर प्रदेश शासन मनोज कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने बताया कि किसानों को समय से रवि फसलों के बीज उपलब्ध कराने के साथ ही दलहन एवं तिलहन फ़सलों के मिनी किट वितरित किए जा रहे हैं जिससे प्रदेश में इसके क्षेत्रफल को बढ़ावा मिल सके। इसकी अध्यक्षता कर रहे कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि विभाग खजूर फसल पर प्रयोग करें जिससे वहां के किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। अपर प्रमुख सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने किसानों को संबोधित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.डी.आर.सिंह ने किसानों को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की आयत वितरण करने के लिए लगभग 300 प्रजातियां विभिन्न फसलों में विकसित की गई हैं। अभी हाल में गेहूं की के 1616 प्रजाति विकसित की है जो कि कम लागत में एवं कम सिंचाई में अच्छा उत्पादन देती है। कानपुर एवं अलीगढ़ मंडल के मंडलायुक्त सहित सभी जनपदों के जिलाधिकारी एवं कृषि विभाग के अधिकारी तथा कृषक मौजूद रहे।

अमर उजाला 10/11/2022

सीएसए में आयोजित मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी में बोले कृषि शिक्षा मंत्री, क्रय केंद्रों पर धान खरीद तेज करने के दिए निर्देश

किसान अर्थव्यवस्था की जान, न होने दें परेशान

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। किसान के पास धन नहीं होगा तो बाजार कैसे चलेंगे। किसान बड़े उत्पादक के साथ उपभोक्ता भी हैं। क्रय केंद्रों पर धान खरीद तेज करें। किसान किसी भी परेशानी का सामना न करें। यह जिम्मेदारी जिलाधिकारी और सीडीओ की है। ये बातें बुधवार को कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी में कहीं।

मंत्री ने कहा कि मक्का, बाजरा, उड़द, मूंग व धान आदि फसलों की खरीद में कोताही न बरतें। लगातार कई जिलों से शिकायतें मिल रही हैं। बुंदेलखंड समेत हर क्षेत्र के किसानों को मोटे अनाज के उत्पादन के लिए प्रेरित करें। तीन दिन में नलकूप सुधारें और रिपोर्ट जिलाधिकारी मुझे उपलब्ध कराएं।

किसान को बीज देते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, साथ में कमिश्नर डॉ. राजेशखर, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह व अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी। संवाद

अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश में यूरिया, डीएपी खाद की कोई कमी नहीं है। अगर कालाबाजारी की शिकायत मिली तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होगी। सीएसए के कुलपति डीआर सिंह ने कहा कि अब वैज्ञानिकों को जलवायु परिवर्तन के हिसाब से सोचना होगा। वैज्ञानिक व किसान मिलकर बीज पर काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम में समृद्धि आयोग के सदस्य श्याम बिहारी गुप्ता, पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया, मंडलायुक्त डॉ. राजशेखर, डीएम विशाख जी, गौरव दयाल, सीडीओ सुधीर कुमार, डीपीआरओ कमल किशोर समेत छह सौ प्रगतिशील किसान मौजूद रहे। आगरा, झांसी, अलीगढ़ मंडल के भी अधिकारी मौजूद रहे।

धान की खरीद नहीं शुरू, विपणन अधिकारी के निलंबन के आदेश

- गोष्ठी में उस समय अधिकारियों में हलचल मच गई जब नर्वल तहसील के पनौरी गांव के रहने वाले किसान चंद्रभूषण ने कृषि उत्पादन आयुक्त से कहा कि धान और मक्का की खरीद ही नहीं हो रही है। अभी तक कोई केंद्र तक नहीं खुला। आयुक्त ने कहा कि कानपुर नगर के खाद्य विपणन अधिकारी खड़े हो जाएं पर कोई नहीं बोला तो उन्होंने डीएम से जानकारी मांगी तो पता चला कि खाद्य विपणन अधिकारी नहीं आए हैं। आयुक्त ने कहा कि इस तरह से लापरवाही बरती जाएगी तो ठीक नहीं। जांच कराएं और जिम्मेदारी अधिकारी को तत्काल निलंबित करें।

किसानों को बांटे प्रमाणपत्र

- गोष्ठी के बाद कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज सिंह कल्याणपुर ब्लॉक के सिंहपुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा बैंक पहुंचकर किसान क्रेडिट कार्ड की जानकारी ली। गोष्ठी में कानपुर के चार किसानों को मिनीकिट, छह किसानों को को खेत व तालाब के प्रमाण पत्र व पांच किसानों को सोलर पंपों की स्थापना के प्रमाणपत्र दिए गए। अच्छी उत्पादकता पर कानपुर मंडल की तारीफ की।

राष्ट्रीय सहारा

10/11/2022

लहन व तिलहन का क्षेत्रफल बढ़ाने के हो रहे प्रयास

ः में मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी को संबोधित करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व उपस्थित किसान। फोटो : एसएनबी

हारा न्यूज ब्यूरो

पुर।

के कृषि, कृषि शिक्षा व अनुसंधान मंत्री ाप शाही ने कहा कि किसानों को रबी सल के बीज उपलब्ध कराये जा रहे शाही ने कहा कि प्रदेश में दलहन व ा की फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने के हो रहे हैं।

द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय में प्रदेश के चार मंडलों कानपुर, झांसी, आगरा व अलीगढ़ के किसानों के लिये रबी उत्पादकता गोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा व अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को रबी की फसलों के बीज उपलब्ध कराये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि दलहन व तिलहन की फसलों के मिनी किट वितरित किये जा रहे हैं, जिससे प्रदेश में दलहन व तिलहन की फसल का क्षेत्रफल

किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं रबी की फसल के बीज : शाही

बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि विभाग खजूर फसल पर प्रयोग करें जिससे वहां के किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने किसानों को सम्बोधित करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की 300 प्रजातियां विकसित की गयी हैं। अभी हाल में गेहूं की के-1616 प्रजाति विकसित की गयी है, जो कि कम लागत व कम सिंचाई में अच्छा उत्पादन देती है। गेहूं की यह प्रजाति किसानों के लिये वरदान साबित होगी। यहां उत्कृष्ट खेती करने वाले किसानों को प्रमाणपत्र व मिनी किट वितरित की गयी। यहां डॉ. वीके सचान, डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. महक सिंह, डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ. जितेन्द्र सिंह सहित कानपुर व अलीगढ़ मंडल के मंडलायुक्त, सभी जनपदों के जिलाधिकारी और कृषि अधिकारी आदि मौजूद थे।

हिंदुस्तान 10/11/2022

'दलहन, तिलहन की पैदावार पर फोकस करें किसान'

- सीएसए में चार मंडलों की रबी उत्पादकता गोष्ठी में बोले कृषि मंत्री
- किसान के पास धन नहीं होगा तो अर्थव्यवस्था कैसे मजबूत होगी

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वर्ष 2030 तक पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की सोच में किसान सहभागी बनें। इसमें एक फीसदी हिस्सा यूपी का होना चाहिए। इसके लिए किसानों को गेहूं व धान के साथ दलहन और तिलहन की पैदावार पर भी फोकस करना होगा। धान खरीद तेज करें। किसान के पास धन नहीं होगा तो बाजार कैसे चलेंगे व अर्थव्यवस्था कैसे मजबूत होगी। किसान बड़े उत्पादक के साथ उपभोक्ता भी हैं। यह बातें कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी में कहीं।

चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन सभागार में आयोजित आगरा, झांसी, अलीगढ़ व कानपुर की मंडलीय रबी कृषि उत्पादकता गोष्ठी का शुभारंभ कृषि मंत्री, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी व कमिश्नर डॉ.राजशेखर ने किया। **किसानों को किया गया सम्मानित :** गोष्ठी में कानपुर नगर के चार कृषकों को मिनी किट, छह कृषकों को खेत तालाब के प्रमाण पत्र व पांच कृषकों के सोलर पम्पों की स्थापना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

सीएसए में आयोजित गोष्ठी का शुभारंभ करते प्रदेश के कृषि मंत्री व अन्य।

आज 10/11/2022 महानगर

कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना पर जोर

❑ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उत्कृष्ट खेती करने वाले किसानों को प्रमाणपत्र एवं मिनी किट वितरित की

दीप प्रज्जवलित करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व अन्य।

सभागार में बैठे अधिकारी व वैज्ञानिक।

कानपुर, 9 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज प्रदेश के चार मंडलों (कानपुर, झांसी, आगरा एवं अलीगढ़) के किसानों के लिए रबी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कमुख्य अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहाकि किसानों को समय से रवि फसलों के बीज उपलब्ध कराये जा रहे हैं, ताकि गेहूं की पैदावार बेहतर होने पर किसानों की आय में वृद्धि हो। उन्होंने बतायाकि किसानों को दलहन एवं तिलहन फसलों के मिनी किट वितरित किए जा रहे हैं जिससे प्रदेश में इसके क्षेत्रफल को बढ़ावा मिल सके। कृषि मंत्री ने कहकि प्रदेश में मक्का एवं बाजरा क्रय करने के लिए पहली बार व्यवस्था की गई है और एफपीओ को औद्यानिक विकास से भी जोड़ने के लिए सभी डीएम, मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है और कृषि अवस्थापना निधि से कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना करने के अवसर खोजने चाहिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि विभाग खजूर फसल पर प्रयोग करें जिससे वहां के किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। अपर प्रमुख सचिव कृषि डॉ देवेश चतुर्वेदी ने किसानों को संबोधित किया। मंडलायुक्त डा. राजशेखर ने मण्डलीय रबी फसलों का उत्पादन रणनीति पर विस्तार से प्रकाश डाला। सीएसए के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि विवि द्वारा किसानों के लिए लगभग 300 प्रजातियां विभिन्न फसलों में विकसित की गई हैं और अभी हाल में गेहूं की के 1616 प्रजाति

■ किसानों को बीज उपलब्ध करायें, पैदावार बढ़ने से किसानों की आय बढ़ेगी : कृषि मंत्री

विकसित की है जोकि कम लागत में एवं कम सिंचाई में अच्छा उत्पादन देती है। गेहूं की ये प्रजाति किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। कार्यक्रम में डॉ वीके सचान उप निदेशक कृषि अलीगढ़ द्वारा प्राकृतिक खेती विशेष जानकारी दी गई। जबकि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ सोमवीर सिंह ने गेहूं की विभिन्न प्रजातियों एवं समय प्रबंधन की जानकारी दी। तिलहनी फसलों की जानकारी डॉ महक सिंह द्वारा दी गई तथा बीजों की उपलब्धता के बारे में भी उन्होंने बताया। दलहनी फसलों के बारे में डॉ अखिलेश मिश्रा ने जानकारी दी। कृषक जय करन सिंह, राजकुमार, राधाकांत, श्याम बिहारी गुप्ता, हरिश्चंद्र आदि ने अपने-अपने अनुभव साझा किये। साथ ही जनपद के 4 कृषकों क मिनीकिट, छह कृषकों को खेत तालाब के प्र माणपत्र एवं पांच कृषकों को सोलर पम्पों की स्थापना के प्रमाणपत्र वितरित किये गये। इस दौरान कृषि निदेशक विवेक सिंह, सयुक्त कृषि निदेशक महेंद्र सिंह आदि कृषक व वैज्ञानिक मौजूद रहे। गोष्ठी का संचालन डॉ जितेंद्र सिंह ने किया।